

प्रबंध निदेशक एवं सीईओ का संदेश

Message from the Managing Director & CEO

## उभरती परिस्थितियाँ. अनुकूल रणनीति *Evolving Circumstances. Consistent Strategy*



// इस महामारी के समय आपके बैंक ने निर्बाध बैंकिंग सेवाएं सुनिश्चित करने, विभिन्न परिवारों को वित्तीय राहत प्रदान करने तथा कारोबार के लिए कार्यशील पूंजी का प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रभावी तत्परता दिखाई.

Your Bank responded quickly and effectively to the demands of the pandemic by ensuring uninterrupted banking services, providing financial relief to households, and ensuring flow of working capital to business. //

राकेश शर्मा

प्रबंध निदेशक एवं सीईओ

**Rakesh Sharma**

Managing Director & CEO



## प्रिय शेयरधारको,

मैं आईडीबीआई बैंक के निदेशक मंडल और प्रबंधन टीम की ओर से आपके समक्ष वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान आपके बैंक के कार्य-निष्पादन की प्रमुख विशेषताएँ प्रस्तुत कर रहा हूँ. इससे पहले कि मैं आपके बैंक के परिचालन और वित्तीय कार्य-निष्पादन के बारे में विस्तार से बताऊँ, मैं आपको एक प्रासंगिक परिप्रेक्ष्य प्रदान करने के लिए 2020-21 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति के बारे में संक्षेप में बताना चाहूँगा.

वित्तीय वर्ष 2020-21 हर नजरिए से एक असाधारण वर्ष था. यह कोविड-19 सरीखी वैश्विक महामारी का वर्ष था, जिसने वैश्विक मंदी को जन्म दिया. यह एक ऐसा वर्ष था, जिसके दौरान लाखों लोगों की जान बचाने के साथ-साथ महामारी के आर्थिक दुष्परिणाम रोकने के लिए सरकारी स्तर पर अभूतपूर्व कदम उठाए गए. यह एक ऐसा वर्ष था जिसमें हममें से प्रत्येक को कठिन व्यक्तिगत चुनौतियों का सामना करना पड़ा और हममें से कई लोगों ने अपने प्रियजन खो दिए. कोविड-19 महामारी के चलते स्वास्थ्य और आर्थिक चुनौतियों से प्रभावित हुए लोगों के प्रति मैं अपनी संवेदनाएँ व्यक्त करता हूँ.

## वित्तीय वर्ष 2020-21 में भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति

जहाँ सारी दुनिया कोविड-19 महामारी के प्रकोप से हर मोर्चे पर जूझ रही थी, वहीं भारत भी इस महामारी से काफी प्रभावित हुआ. इस महामारी के प्रसार को रोकने के लिए, भारत ने मार्च 2020 के अंत में लॉकडाउन लगाया, जो अगले दो महीनों तक जारी रहा. भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) दोनों ने अर्थव्यवस्था पर कोविड-19 के नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए विवेकपूर्ण तरीके से राजकोषीय और मौद्रिक नीतियाँ लागू कीं. भारत सरकार ने मार्च 2020 में ₹ 1.7 लाख करोड़ का राहत पैकेज घोषित करने के बाद व्यापार को प्रोत्साहित करने, निवेश आकर्षित करने और 'मेक इन इंडिया' अभियान को मजबूत करने के उद्देश्य से वर्ष 2020 में मई, अक्टूबर और नवंबर महीनों में तीन चरणों में 'आत्मनिर्भर भारत' नामक एक विशेष आर्थिक और व्यापक पैकेज आरंभ किया. इस आत्मनिर्भर भारत पैकेज में विभिन्न परिवारों को वस्तु व नकदी सहायता, प्रधान मंत्री निर्धन कल्याण रोजगार अभियान के तहत रोजगार प्रावधान उपाय, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत आबंटन में वृद्धि, एमएसएमई और एनबीएफसी के लिए क्रेडिट गारंटी और इक्विटी प्रदान करना आदि बातें शामिल हैं. इस आत्मनिर्भर भारत पैकेज के अंतर्गत संरचनात्मक सुधारों की भी घोषणा की गई, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ कृषि क्षेत्र का विनियमन, एमएसएमई की परिभाषा में बदलाव, नई पीएसयू नीति, कोयला खनन का व्यवसायीकरण, रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र में उच्चतर एफडीआई सीमाएँ, औद्योगिक भूमि/भूमि बैंक और औद्योगिक सूचना प्रणाली का विकास, सामाजिक बुनियादी संरचना के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण योजना में सुधार, नई बिजली शुल्क नीति और राज्यों

## Dear Shareholders,

On behalf of the Board of Directors and the Management Team of IDBI Bank, I place before you the highlights of your Bank's performance for the financial year 2020-21. Before I elaborate on the details of your Bank's operational and financial performance, I would like to briefly outline the state of the Indian economy in 2020-21 to provide a contextual perspective.

Financial Year (FY) 2020-21 was an extraordinary year by any measure. It was a year of a global pandemic, COVID-19, which triggered a global recession. It marked a year of unprecedented government actions to save millions of lives as well as to strive to contain the economic fallout of the pandemic. It was a year in which each of us faced difficult personal challenges, and a staggering number of us lost loved ones. My heart goes out to everyone who has been affected by the health and economic challenges of the COVID-19 pandemic.

## State of the Indian economy in FY 2020-21

As the world was battling on all fronts against the outbreak of the COVID-19 pandemic, India was also considerably affected by the pandemic. In a bid to contain the spread of the pandemic, India went into a lockdown in late March 2020, which continued for the next two months. Both the Government of India (GoI) and the Reserve Bank of India (RBI) implemented a judicious mix of fiscal and monetary policies to mitigate the negative impact of COVID-19 on the economy. Topping up the ₹ 1.7 lakh crore relief package announced in March 2020, the GoI unveiled a special economic and comprehensive package 'AtmaNirbhar Bharat' in three phases in the months of May, October and November in the year 2020 with an aim to encourage business, attract investments and strengthen the resolve for 'Make in India'. The AtmaNirbhar Bharat package included, among others, in-kind and cash transfer relief measures for households, employment provision measures under Pradhan Mantri Garib Kalyan Rojgar Abhiyaan, increased allocation under Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Scheme (MGNREGS), credit guarantee & equity infusion-based relief measures for MSMEs & NBFCs etc. Structural reforms were also announced as part of the AtmaNirbhar Bharat Package which, inter alia, included deregulation of the agricultural sector, change in definition of MSMEs, new PSU policy, commercialization of coal mining, higher FDI limits in defense and space sector, development of Industrial Land/ Land Bank and Industrial Information System, revamp of Viability Gap Funding scheme for social infrastructure, new power tariff policy and

को विभिन्न क्षेत्रों में सुधार करने के लिए प्रोत्साहित करना शामिल थे। आरबीआई ने कमजोर क्षेत्रों, संस्थाओं और वित्तीय साधनों की सहायता हेतु पर्याप्त प्रणाली-स्तरीय लिक्विडिटी के साथ-साथ लक्षित लिक्विडिटी सुनिश्चित करने के लिए परंपरागत और गैर-परंपरागत उपाय अपनाए। आरबीआई ने नीतिगत दरों में कमी लाने और एक उदार मौद्रिक नीति के रूप में दूरदर्शी मार्गदर्शन देने के अलावा, दीर्घावधि रेपो परिचालन (एलटीआरओ), लक्षित दीर्घावधि रेपो परिचालन (टीएलटीआरओ) सहित विभिन्न लिखतों के माध्यम से बाजार संचालित किया। इसके अलावा विशिष्ट क्षेत्रों के लिए टीएलटीआरओ, म्यूचुअल फंड के लिए एक लिक्विडिटी विंडो, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों (एचएफसी) की लिक्विडिटी की स्थिति में सुधार के लिए एक विशेष प्रयोजन उद्देश्य से एक विशेष लिक्विडिटी योजना (एसएलएस) का संचालन, अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं (एआईएफआई) का चयन करने के लिए विशेष पुनर्वित्त सुविधाएं, राज्य विकास ऋण (एसडीएल) और ट्विस्ट परिचालनों सहित ओपन मार्केट परिचालन (ओएमओ) आदि पहल कार्य किए गए। आरबीआई ने नियामकीय धैर्य अपनाते हुए उधारकर्ताओं को ऋण-स्थगन देने के साथ-साथ आस्ति के पुनर्गठन के लिए दो चरणों में शिथिल नियमों के साथ समाधान रूपरेखा की भी घोषणा की।

भारत सरकार और आरबीआई द्वारा उठाए गए ठोस उपायों के चलते वित्त वर्ष 2020-21 की दूसरी छमाही में भारत को आर्थिक पुनरुद्धार में मदद मिली, जो भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में हुई सकारात्मक वृद्धि से देखा जा सकता है। हालांकि वर्ष की पहली दो तिमाहियों में हुए संकुचन के चलते सम्पूर्ण वर्ष में नकारात्मक वृद्धि ही दर्ज हो सकी।

## कारोबार रणनीति

विभिन्न घटनाक्रम से भरपूर इस वर्ष में आपके बैंक ने इस बात को स्वीकार किया कि विभिन्न कंपनियों और व्यक्तियों के सपने पूरे करने में और उनके कठिन समय में उनके लिए संबल बनने में बैंक एक प्रमुख भूमिका निभाता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए तथा सबसे पसंदीदा और भरोसेमंद बैंक होने के अपने संकल्प को देखते हुए उचित कदम उठाए। आपके बैंक ने निर्बाध बैंकिंग सेवाएं सुनिश्चित करने, विभिन्न परिवारों को वित्तीय राहत प्रदान करने, कार्यशील पूंजी का प्रवाह सुनिश्चित करने, व्यापार के लिए ऋण प्रदान करने के अलावा भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा घोषित विभिन्न नीतिगत उपायों को लागू करते हुए इच्छित लाभार्थियों को राहत प्रदान कर इस महामारी के समय अपनी तत्परता दिखाई।

ऐसे समय में जब दुनिया के सामने आने वाले संकट की प्रकृति या परिमाण का कोई भी अनुमान नहीं लगा सकता था, तब बैंक ने इस तीव्र दबावपूर्ण समय में भी अपनी वित्तीय और परिचालन स्थिति में लचीलापन दर्शाया। बैंक की नेतृत्व टीम के विजन और इसके कार्यबल के अथक प्रयासों से अच्छे परिणाम सामने आए जो बैंक के कार्य-निष्पादन में हुए सुधार से परिलक्षित होते हैं।

incentivising States to undertake sector reforms. The RBI also responded with a mix of conventional and unconventional measures to ensure ample system-level liquidity as well as targeted liquidity to support vulnerable sectors, institutions and financial instruments. In addition to reduced policy rates and sustained forward guidance in the form of an accommodative monetary policy stance, the RBI conducted market operations through a variety of instruments, including Long Term Repo Operations (LTROs), Targeted Long Term Repo Operations (TLTROs), On-Tap TLTROs aimed at specific sectors, a liquidity window for mutual funds, a Special Liquidity Scheme (SLS) operationalised through a special purpose vehicle to improve the liquidity position of Non-Banking Financial Companies (NBFCs) and Housing Finance Companies (HFCs), special refinance facilities to select All India Financial Institutions (AIFIs), Open Market Operations (OMOs) including in State Development Loans (SDLs) and twist operations. The RBI also extended regulatory forbearance that saw moratorium being extended to borrowers as well as announced Resolution Framework in two phases with relaxed norms for restructuring assets.

The concerted measures taken by the GoI and the RBI helped the economic revival as evidenced by the positive growth in India's real Gross Domestic Product (GDP) in the second half of FY 2020-21, although the contraction in the first two quarters resulted in negative growth for the full year.

## Business Strategy

As the events unfolded throughout the year, your Bank responded appropriately, guided by its vision of being the most preferred and trusted bank, as it acknowledged that banking plays an essential role in enabling companies and individuals to reach for their dreams, and for being a source of strength in difficult times. Your Bank responded quickly and effectively to the demands of the pandemic by ensuring uninterrupted banking services, providing financial relief to the households, ensuring flow of working capital and credit to business and supporting the delivery of the policy measures announced by the GoI and the RBI to the intended beneficiaries.

While no one could have ever predicted the nature or extent of the crisis that is unfolding before the world, the Bank exhibited financial and operational resilience during a period of intense stress. The vision of the Bank's leadership team, coupled with the untiring efforts of its workforce, bore fruits as reflected by the improvement in the performance of the Bank.





चुनौतीपूर्ण परिचालन वातावरण और महामारी के चलते उभर रही अनिश्चितताओं को देखते हुए बैंक ने सुविचारित जोखिम-शोधन कारोबार रणनीति अपनाई है ताकि लंबे समय तक स्थिर और लाभदायक विकास सुनिश्चित किया जा सके. एक रिटेल-केंद्रित बैंक के रूप में अपनी परिकल्पित रणनीतिक स्थिति को जारी रखते हुए तथा पीसीए रूपरेखा के तहत कॉरपोरेट को उधार देने में बाधाओं के चलते आपके बैंक ने अपनी खुदरा, कृषि और एमएसएमई (रैम) आस्ति बही को बढ़ाने पर ज़ोर देना जारी रखा. साथ ही, बैंक ने अपने कॉरपोरेट एक्सपोजर को सावधानीपूर्वक सीमित करना जारी रखा ताकि समग्र रूप में अपनी बहुविध आस्तियों को अपेक्षानुसार परिमाण में लाया जा सके. देयता के मोर्चे पर, आपके बैंक ने थोक सावधि जमा राशियों पर निर्भरता कम करते हुए अपने कम लागत वाले जमा आधार यानी कासा जमा और खुदरा सावधि जमा को बढ़ाने का प्रयास किया. आपके बैंक ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के साथ हुए तालमेल के अवसर का लाभ उठाते हुए उनसे संपर्क जारी रखा ताकि अपनी खुदरा देयता और आस्ति बही में वृद्धि के साथ-साथ शुल्क आधारित आय में वृद्धि हासिल की जा सके. वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान बैंक ने एलआईसी की ओर से ₹ 863 करोड़ की प्रीमियम राशि एकत्रित की, जो एलआईसी द्वारा बैंकएश्योरेंस के माध्यम से एकत्र की गई कुल प्रीमियम राशि का 50% है. इस कार्य से बैंक ने ₹ 62 करोड़ की शुल्क आय अर्जित की. आपके बैंक द्वारा विभिन्न प्रकार की नई पेशकश शुरू करने और मौजूदा उत्पादों/सेवाओं में सुधार करने से इन रणनीतिक प्रयासों को काफी बल मिला. महामारी जनित प्रतिबंधों के चलते आवाजाही पर लगे प्रतिबंधों को देखते हुए आपके बैंक ने बैकल्पिक/डिजिटल चैनलों में निर्बाध ग्राहक सेवा सुनिश्चित करने के साथ-साथ ग्राहकों की सहूलियत बढ़ाने के लिए नई कार्यक्षमताओं को भी जोड़ा.

## ₹863 करोड़

एलआईसी की ओर से बैंक द्वारा एकत्र की गई प्रीमियम राशि

आपके बैंक ने एक स्थिर और लाभदायक विकास पथ हासिल करने के लिए आस्ति गुणवत्ता संबंधी चिंताओं को दूर करने की जरूरत महसूस करते हुए कानूनी और विनियामक मार्गों के माध्यम से अपचारी आस्ति पोर्टफोलियो में अधिकतम वसूली और उन्नयन के प्रयास तेज कर दिए हैं. बैंक ने मौजूदा दबाव को हल करने के लिए एक केंद्रित दृष्टिकोण सुनिश्चित करने की दिशा में कॉरपोरेट और खुदरा पोर्टफोलियो में वसूली के लिए समर्पित टीमों का भी गठन किया है. साथ ही आस्ति गुणवत्ता संबंधी चिंताओं को कम करने के लिए बैंक ने अपने ऋण निगरानी तंत्र को भी मजबूत किया है ताकि बैंक के पोर्टफोलियो में दबाव की शुरुआत की बारीकी से निगरानी की जा सके और आस्ति गुणवत्ता में गिरावट को रोका जा सके. इस संदर्भ में यह उल्लेख करना उचित होगा

The Bank has adopted a risk-calibrated business strategy to ensure stable and profitable growth over the longer run, especially in view of the challenging operating environment and the uncertainties brought to the forefront by the pandemic. Continuing on its envisaged strategic positioning as a retail-focussed bank as also due to constraints on lending to corporates on account of being under the PCA framework, your Bank persevered on ramping up its Retail, Agri and MSME (RAM) asset book. At the same time, the Bank continued to consciously limit its corporate exposure to bring about the desired asset mix which is diversified and granular in nature. On the liability side, your Bank strived to boost the share of its low-cost deposits base i.e. CASA deposits to the total deposit while reducing reliance on bulk term deposits. Tapping into the synergy opportunities, your Bank continued to liaison with the Life Insurance Corporation of India (LIC) to derive benefits in terms of growth in its retail liability and asset book as well as augment fee income. During FY 2020-21, the Bank collected premium amounting to ₹ 863 crore on behalf of the LIC, which accounts for 50% of the total premium collected by the LIC through Bancassurance, and earned a fee income of ₹ 62 crore. These strategic endeavours of your Bank were backed by introduction of new offerings as well as revamping the existing products/ services. Given the restrictions on movement due to the pandemic, your Bank ensured seamless customer experience across alternate/ digital channels as also added new functionalities to enhance customer convenience.

## ₹863 crore

Premium collected by the Bank on behalf of LIC

Recognising the need for addressing the asset quality concerns in a sustained manner for securing a stable and profitable future growth path, your Bank has intensified its efforts to maximise recovery and upgradation of delinquent asset portfolio through legal and regulatory routes. To ensure a focussed approach to resolve the existing stress, the Bank has also set up dedicated teams to drive recovery in corporate and retail portfolio. In order to mitigate the asset quality concerns going forward, the Bank has also strengthened its credit monitoring mechanism in order to closely monitor the onset of stress in the Bank's portfolio and to prevent slippages in asset quality. In this context, it may be pertinent to mention that keeping in view the possible financial stress on its customers base on account of the COVID-19 induced lockdown/

कि कोविड-19 प्रेरित लॉकडाउन/प्रतिबंधों के कारण अपने ग्राहक आधार पर संभावित वित्तीय दबाव को ध्यान में रखते हुए आपके बैंक ने नियामकीय और सांविधिक दिशानिर्देशों के तहत सभी पात्र ग्राहकों को ऋण-स्थगन अवधि प्रदान की है। ऋण-स्थगन का विकल्प चुनने वाले उधारकर्ताओं के खातों की बारीकी से निगरानी की जा रही है ताकि नियमित चुकौती सुनिश्चित कर आस्ति गुणवत्ता में दबाव से बचा जा सके।

अपनी कारोबार रणनीति के व्यापक ढांचे के अंतर्गत आपके बैंक द्वारा की गई पहल के विवरण वार्षिक रिपोर्ट के 'निदेशकों की रिपोर्ट' और 'प्रबंधकीय विवेचना एवं विश्लेषण' खंड में दिए गए हैं। मुझे यह बताते हुए खुशी है कि आपके बैंक द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए गए सामूहिक प्रयासों के सकारात्मक परिणाम मिले हैं। मैं आपके लिए इनमें से कुछ पैरामीटर यहाँ विशेष रूप से प्रस्तुत करना चाहूँगा।

### वित्तीय और परिचालनगत विशेषताएँ

एक चुनौतीपूर्ण समय में परिचालन करते हुए आपका बैंक अपने हितधारकों हेतु मूल्य सृजन के लिए प्रतिबद्ध रहा और वर्ष के दौरान बेहतर वित्तीय कार्य-निष्पादन प्रस्तुत किया।

# 1.97%

### मार्च 2021 अंत में निवल एनपीए

आपके बैंक की कुल जमा राशियों में 3.81% की वृद्धि हुई और यह मार्च 2020 के अंत के ₹ 2.22 लाख करोड़ से बढ़कर मार्च 2021 के अंत में ₹ 2.31 लाख करोड़ हो गई। बैंक के कम लागत वाले कासा जमा आधार में 9.70% की वार्षिकीकृत वृद्धि हुई और यह मार्च 2020 के अंत के ₹ 1.06 लाख करोड़ से बढ़कर मार्च 2021 के अंत में ₹ 1.16 लाख करोड़ हो गया। इसके फलस्वरूप कुल जमा राशियों में कासा जमाओं की हिस्सेदारी में 271 आधार बिंदुओं (बीपीएस) की बढ़ोतरी हुई और यह मार्च 2020 के अंत के 47.74% से बढ़कर मार्च 2021 के अंत में 50.45% हो गई। इसी प्रकार रिटेल मीयादी जमा बही में भी सुचिन्तित रूप से वृद्धि दर्ज की गई और यह मार्च 2020 के अंत के ₹ 76,993 करोड़ की तुलना में 13.76% बढ़कर मार्च 2021 के अंत में ₹ 87,586 करोड़ हो गई। बैंक ने उच्च लागत वाली संस्थागत जमाओं पर अपनी निर्भरता को कम करते हुए थोक जमाओं में 31.65% की कमी की और यह मार्च 2020 के अंत के ₹ 39,243 करोड़ से घटकर मार्च 2021 के अंत में ₹ 26,821 करोड़ के स्तर पर पहुँच गई और इसके परिणामस्वरूप कुल जमाओं में इसका हिस्सा मार्च 2020 के अंत के 17.64% से घटकर मार्च 2021 के अंत में 11.62% रह गया। इन घटनाक्रमों से बैंक को अपनी जमाओं की लागत को वित्तीय वर्ष 2019-20 के 5.08% से 79 बीपीएस कम कर वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए 4.29% के स्तर पर लाने तथा निधियों की लागत में 88 बीपीएस कमी लाकर वित्तीय वर्ष

restrictions, your Bank extended the moratorium facility to all eligible customers in line with the regulatory and statutory guidelines. The accounts of borrowers who have opted for the moratorium are being monitored closely to ensure regular repayment and thereby, avoid stress in asset quality.

The initiatives taken by your Bank, under the broad contours of its business strategy, have been detailed in the Directors' Report and Management Discussion and Analysis sections of the Annual Report. I am pleased to state that the concerted efforts taken by your Bank yielded positive results on several fronts. I would like to highlight some of these parameters for your benefit.

### Financial and Operational Highlights

Operating in a challenging time, your Bank remained committed to creating value for its stakeholders and turned in a strong financial performance during the year.

# 1.97%

### Net NPA as at end-March 2021

The total deposits of your Bank grew by 3.81% from ₹ 2.22 lakh crore as at end-March 2020 to ₹ 2.31 lakh crore as at end-March 2021. The low-cost CASA deposit base of the Bank registered an annualised growth of 9.70% from ₹ 1.06 lakh crore as at end-March 2020 to ₹ 1.16 lakh crore as at end-March 2021, leading to an increase in the share of CASA deposits to total deposits by 271 basis points (bps) from 47.74% as at end-March 2020 to 50.45% as at end-March 2021. Simultaneously, the retail term deposits book was consciously grown by 13.76% from ₹ 76,993 crore as at end-March 2020 to ₹ 87,586 crore as at end-March 2021. Reducing its reliance on institutional deposits, the Bank pruned its bulk deposits by 31.65% from ₹ 39,243 crore as at end-March 2020 to ₹ 26,821 crore as at end-March 2021, resulting in a lower share in the total deposits from 17.64% as at end-March 2020 to 11.62% as at end-March 2021. These developments helped the Bank in reducing its Cost of Deposits by 79 bps from 5.08% for FY 2019-20 to 4.29% for FY 2020-21 and Cost of Funds by 88 bps from 5.44% for FY 2019-20 to 4.56% for FY 2020-21.

Making progress in its strategy of realigning the portfolio mix in favour of retail, your Bank's loan book composition of retail to corporate advances improved



2019-20 के 5.44% से वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए 4.56% के स्तर पर लाने में सहायता मिली।

पोर्टफोलियो समिश्र में रिटेल का हिस्सा बढ़ाने की अपनी रणनीति के अनुसार आगे बढ़ते हुए आपके बैंक का कॉर्पोरेट अग्रिमों की तुलना में रिटेल ऋणों के अनुपात वाला ऋण मार्च 2020 के अंत के 56:44 से सुधरकर मार्च 2021 के अंत में 62:38 हो गया। प्राथमिकताप्राप्त क्षेत्र उधार (पीएसएल) के मोर्चे पर बैंक ने 40% के विनियामकीय पीएसएल लक्ष्य को पार करते हुए कुल ₹ 69,334 करोड़ के प्राथमिकताप्राप्त क्षेत्र अग्रिम प्रदान किए जो समायोजित निवल बैंक ऋण (एनबीसी) का 40.95% रहा।

कुछ रणनीतिपरक पूंजी संरक्षण उपायों को अपनाते हुए रिटेल उन्मुख पोर्टफोलियो समिश्र की ओर बढ़ते झुकाव से आपका बैंक अपनी जोखिम भारित आस्तियों (आरडब्ल्यूए) को मार्च 2020 के अंत के ₹ 1.59 लाख करोड़ से कम कर मार्च 2021 के अंत में ₹ 1.57 लाख करोड़ के स्तर पर लाने में सफल रहा। आपके बैंक की पूंजीगत स्थिति में सुधार हुआ है और जोखिम भारित आस्तियों की तुलना में पूंजी अनुपात (सीआरएआर) और टीयर 1 पूंजी सह पूंजी संरक्षण बफर (सीसीबी) अनुपात मार्च 2020 के अंत के क्रमशः 13.31% और 10.57% से सुधरकर मार्च 2021 के अंत में क्रमशः 15.59% और 13.06% हो गया है। इस प्रकार दोनों ही अनुपात आरबीआई द्वारा निर्धारित क्रमशः 10.875% और 8.875% के न्यूनतम स्तरों से अधिक रहे।

अपनी आस्ति गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए बैंक द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों से यहाँ भी सकारात्मक असर पड़ा है। सकल अनर्जक आस्तियाँ (जीएनपीए) और निवल अनर्जक आस्तियाँ (एनएनपीए) मार्च 2020 की समाप्ति के क्रमशः 27.53% और 4.19% से सुधरकर मार्च 2021 के अंत में क्रमशः 22.37% और 1.97% रहीं। सुचिन्तित रणनीति के तौर पर आपके बैंक ने अपने प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) में सुधार किया और यह मार्च 2020 के अंत के 93.74% की तुलना में मार्च 2021 के अंत में 96.90% रहा जो निर्विवाद रूप से उद्योग के उच्चतम पीसीआर में से एक है। खातों की गहन निगरानी ने प्रथम बार एनपीए (एफटीएनपीए) को वित्तीय वर्ष 2019-20 के ₹ 8,384 करोड़ की तुलना में वित्तीय वर्ष 2020-21 में कम कर ₹ 2,382 करोड़ तक लाने में मदद की।

आपके बैंक द्वारा किए गए रणनीतिपरक उपायों से इसकी निवल ब्याज मार्जिन (एनआईएम) में सुधार लाने में मदद मिली और यह वित्तीय वर्ष 2019-20 के 2.61% से 77 बीपीएस बढ़कर वित्तीय वर्ष 2020-21 में 3.38% हो गई। बैंक के परिचालन लाभ में 38.71% की वृद्धि हुई और यह वित्तीय वर्ष 2019-20 के ₹ 5,112 करोड़ की तुलना में वित्तीय वर्ष 2020-21 में ₹ 7,091 करोड़ हो गया। लगातार पाँच वित्तीय वर्षों तक घाटा दर्ज करने के बाद पहली बार बैंक वित्तीय वर्ष 2020-21 में ₹ 1,359 करोड़ का निवल लाभ दर्ज कर पुनः मुनाफे की स्थिति में आ गया। यह बैंक के लिए वास्तव में यादगार उपलब्धि है, विशेष रूप से इस बात को देखते हुए कि पिछले वित्तीय वर्ष से

from 56:44 as at end-March 2020 to 62:38 as at end-March 2021. On the Priority Sector Lending (PSL) front, the Bank exceeded the regulatory PSL target of 40% with the priority sector advances amounting to ₹ 69,334 crore, aggregating to 40.95% of Adjusted Net Bank Credit (ANBC).

As a consequence of shifting towards a more retail-oriented portfolio mix, coupled with certain strategic capital conservation measures, your Bank was able to reduce its Risk Weighted Assets (RWA) from ₹ 1.59 lakh crore as at end-March 2020 to ₹ 1.57 lakh crore as at end-March 2021. The capital position of your Bank has improved with the Capital to Risk (Weighted) Assets Ratio (CRAR) and Tier 1 capital plus Capital Conservation Buffer (CCB) Ratio from 13.31% and 10.57%, respectively, as at end-March 2020 to 15.59% and 13.06%, respectively, as at end-March 2021. At these levels, both were above the RBI prescribed minimum of 10.875% and 8.875% respectively.

The numerous steps taken by your Bank to improve its assets quality have led to positive developments even on this front. The Gross Non-Performing Assets (GNPAs) and Net Non-Performing Assets (NNPA) improved from 27.53% and 4.19%, respectively, as at end-March 2020 to 22.37% and 1.97%, respectively, as at end-March 2021. As a conscious strategy, your Bank improved its Provision Coverage Ratio (PCR) from 93.74% as at end-March 2020 to 96.90% as at end-March 2021, which is arguably one of the highest in the industry. Close monitoring of accounts has helped in reducing First Time NPAs (FTNPAs) from ₹ 8,384 crore in FY 2019-20 to ₹ 2,382 crore in FY 2020-21.

The strategic measures taken by your Bank helped it in improving its Net Interest Margin (NIM) by 77 bps from 2.61% for FY 2019-20 to 3.38% for FY 2020-21. The Bank saw a 38.71% growth in its Operating Profit from ₹ 5,112 crore for FY 2019-20 to ₹ 7,091 crore in FY 2020-21. The Bank was back in the black by posting a Net Profit of ₹ 1,359 crore in FY 2020-21 for the first time after five consecutive financial years.

This is indeed a momentous achievement for the Bank, especially as it was confronted by unprecedented challenges due to the outbreak of the COVID-19 pandemic since the last financial year.



कोविड-19 महामारी के प्रकोप के कारण इसे अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना करना पड़ा है।

### त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए) रूपरेखा के अंतर्गत प्रगति

बैंक की वित्तीय हालत में सुधार को देखते हुए आरबीआई ने दिनांक 10 मार्च 2021 के अपने पत्र द्वारा कुछ शर्तों तथा सतत निगरानी के अधीन बैंक पर पीसीए रूपरेखा के अंतर्गत लगाए गए प्रतिबंधों को हटाने का निर्णय लिया। पिछले वर्ष के दौरान बैंक को व्यवसाय और परिचालनगत परिवेश में जिन चुनौतियों और कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है उसे देखते हुए यह उसके लिए मील के पत्थर समान महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

### आगे की राह

बैंक की कारोबारी रणनीति चूँकि समग्र परिचालनगत परिवेश से प्रभावित होती रहेगी अतः आने वाले वर्ष के दौरान आर्थिक संभावनाओं पर संक्षिप्त चर्चा करना उपयुक्त होगा। वित्तीय वर्ष 2021-22 में विकास की कहानी वर्ष के उत्तरार्ध में ही लिखी जा सकेगी, जब आर्थिक गतिविधियाँ तेज होंगी। यह आशावादी दृष्टिकोण कृषि क्षेत्र के निरंतर अच्छे कार्य-निष्पादन के कारण बना है, जो अभी तक प्रतिबंधात्मक उपायों के विपरीत असर से लगभग अप्रभावित रहा है। साथ ही इसे विनिर्माण और कई सेवा क्षेत्रों में मजबूत वापसी से भी बल मिलेगा। मांग पक्ष की ओर देखें तो हम पाते हैं कि हाल में जारी हुए आँकड़े यह संकेत देते हैं कि लंबे समय की सुस्ती के बाद पूंजीगत निवेशों में फिर से मजबूत तेजी आई है। सबसे बड़ी बात यह है कि आधार प्रभाव समग्र वृद्धि को तेजी से आगे बढ़ाएगा।

आरबीआई की पीसीए रूपरेखा से बाहर आने के फलस्वरूप आपके बैंक के लिए व्यापक संभावनाओं के द्वार खुले हैं क्योंकि अब यह अपने व्यवसाय कार्य-निष्पादन को बढ़ाने के लिए अनेक प्रकार के बैंकिंग कार्यकलाप कर सकेगा और उभरते अवसरों का लाभ उठा सकेगा। आपका बैंक रिटेल तथा लघु एवं मझोले उद्योगों की ऋण बही के हिस्से को बढ़ाने पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए अपने को रिटेल उन्मुख बैंक के रूप में स्थापित करने की रणनीति के प्रति प्रतिबद्ध बना रहेगा। आपका बैंक जोखिमों पर सम्यक रूप से विचार करते हुए और सचेत तरीके से अपनी कॉरपोरेट ऋण बही में, विशेष रूप से मध्य-कॉरपोरेट क्षेत्र में, वृद्धि करने के लिए अवसरों को भी तलाशेगा। कम लागतवाली जमाओं (कासा) में वृद्धि पर विशेष जोर देने की प्रवृत्ति देयता पक्ष की रणनीति को प्रभावित करती रहेगी। भूतकाल में हुई गंभीर चूकों की वजह से बैंक की वित्तीय सेहत पर पड़े प्रभाव से सबक लेते हुए आपके बैंक ने मजबूत वसूली/उन्नयन और पोर्टफोलियो की गहन निगरानी पर सम्यक बल देने के अलावा सुचिन्तित रूप से अपने ऋण मूल्यांकन मानकों को समुन्नत बनाया है ताकि उसकी आस्तियों की गुणवत्ता में होनेवाली किसी भी गिरावट को रोका जा सके। चूँकि परिचालन परिवेश में व्याप्त मंदी के कारण उधार संबंधी कार्यकलापों की संभावनाओं के बारे में आशंकाएं व्याप्त हैं इसलिए आपका बैंक

### Progress under the Prompt Corrective Action (PCA) framework

Considering the improvement in the Bank's financial health, the RBI, vide its letter dated March 10, 2021, decided to lift the restrictions imposed on the Bank under the PCA framework subject to certain conditions and continuous monitoring. This is a commendable milestone for the Bank given the challenges and difficulties it has faced in the business and operating environment in the last year.

### Way Forward

Since the business strategy of the Bank will continue to be shaped by the overall operational environment, it may be pertinent to briefly touch upon the economic outlook for the year ahead. The growth in FY 2021-22 is likely to be a story of two halves, with economic activity picking up rapidly in the second half. The optimism about the outlook stems from the continued and steady performance by the agriculture sector, which so far, has been largely immune to the adverse impact of the restrictive measures as well as a strong rebound in manufacturing and several services sectors. On the demand side, recent data suggests that capital investments have seen a strong rebound after a prolonged period of lull. The momentum is expected to continue as held-up or postponed investment decisions will likely see implementation after a lag of one year. More importantly, the base effect will give a big thrust to overall growth.

The exit from the RBI's PCA framework has unlocked huge potential for your Bank as it can now undertake a wide-range of banking activities and tap the emerging opportunities to boost its business performance. Your Bank will continue to remain committed towards its strategic positioning as a retail-oriented bank with focus on growing the share of the loan book of retail and small & medium-sized enterprises. Your Bank may also explore avenues to grow its corporate credit book, especially in the mid-corporate segment, in a risk-calibrated and cautious manner. The thrust on growth in the low-cost deposits (CASA) will continue to influence the liability side strategy. Taking lesson from the impact that severe delinquency had on its financial health in the past, your Bank has consciously upgraded its credit appraisal standard, apart from placing due emphasis on robust recovery/ upgradation and close monitoring of portfolio to prevent any slippages in its asset quality. Since the muted operating environment clouds the outlook for the lending activity, your Bank will focus on maximising fee income. At the



अधिक से अधिक शुल्क आय अर्जित करने पर विशेष रूप से ध्यान देगा. इसके साथ ही लाभप्रदता को बढ़ाने के लिए आपका बैंक अपने परिचालन व्ययों को न्यूनतम स्तर पर रखने और उत्पादकता में वृद्धि करने की दिशा में भी कार्य करेगा. उपर्युक्त व्यवसाय उद्देश्यों की पूर्ति के लिए बैंक ने पिछले कुछ वर्षों में उपयुक्त संगठनात्मक ढांचे को कार्यान्वित करने के लिए कदम उठाए हैं.

आपका बैंक भविष्य के लिए तत्पर बैंक के रूप में स्थापित होने के अपने इच्छित उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी डिजिटल क्षमताओं के समुन्नयन में निवेश के लिए जारी अपनी कारोबार रणनीतियों को समुचित रूप से समर्थन दे रहा है. इस तथ्य को स्वीकारते हुए कि विश्वसनीयता और भरोसा किसी भी बैंक के लिए सबसे बड़ी परिसंपत्तियाँ होती हैं आपका बैंक अपने जोखिम प्रबंधन, कॉर्पोरेट अभिशासन और विनियामक अनुपालन रूपरेखा को सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार कार्य करता रहा है. व्यापक रूपरेखा के अंतर्गत आपका बैंक ग्राहक को सर्वोपरि महत्व देने के अपने मूल सिद्धांत के प्रति प्रतिबद्ध है क्योंकि ग्राहक ही उसका प्रेरक बल है.

आईडीबीआई बैंक परिवार कोविड-19 महामारी के इस असाधारण समय में अपने सभी हितधारकों के साथ खड़ा रहने के लिए प्रतिबद्ध है. आपका बैंक अपने सभी हितधारकों को हरसंभव सहायता प्रदान करने का प्रयास करेगा और यह समाज के सबसे कमजोर वर्गों की रक्षा के लिए नीति-निर्माताओं के साथ मिलकर कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है.

## आभार

मैं भारत सरकार, एलआईसी, आरबीआई, सेबी और अन्य सभी सांविधिक तथा विनियामकीय प्राधिकारियों को उनके बहुमूल्य सहयोग और सहकार्य के लिए धन्यवाद देता हूँ. मैं निदेशक मंडल, प्रबंधन टीम और बैंक में अपने अन्य सहयोगियों के प्रति आभारी हूँ, जिन्होंने अत्यंत संघर्षपूर्ण माहौल में बैंक के रूपांतरण की रणनीति को सफल बनाने की दिशा में एकनिष्ठ समर्पण और प्रतिबद्धता दर्शायी है. मैं सभी ग्राहकों और शेयरधारकों का भी तहे दिल से आभारी हूँ कि उन्होंने पिछले कई वर्षों में बैंक पर अपना भरोसा बनाए रखा और हर समय हमारा साथ दिया.

शुभकामनाओं सहित,

**राकेश शर्मा**

प्रबंध निदेशक एवं सीईओ

same time, to boost the bottom-line, your Bank will work towards minimising its operating expenses and increasing productivity. To ensure a focussed approach towards these business objectives, the Bank has, over the years, taken steps to put in place an appropriate organisation structure.

Your Bank is appropriately backing these business strategies by investing in upgradation of its digital capabilities in keeping with its intended objective of being a future-ready bank. Recognising that credibility and trust are the biggest assets a bank can have, your Bank has been working steadfastly in strengthening its risk management, corporate governance and regulatory compliance framework. Amidst the broader framework, your Bank is committed to its core value of placing the customer first in its priorities as they are its driving force.

IDBI Bank family is committed to stand by all its stakeholders in these extraordinary times of the COVID-19 pandemic. Your Bank will strive to extend all possible support to all its stakeholders and is committed to working with the policymakers to protect the most vulnerable segments of the society.

## Acknowledgement

I would like to thank the Government of India, LIC, RBI, SEBI and all other statutory and regulatory authorities for their valuable support and co-operation. I am also thankful to the Board of Directors, the Management Team and my other colleagues in the Bank for their single-minded dedication and commitment towards delivering on the Bank's turnaround strategy in an extremely trying environment. I am also deeply grateful to all the customers and shareholders for reposing their trust in the Bank over the years and standing by us at all times.

With best wishes,

**Rakesh Sharma**

Managing Director & CEO